http://www.hyvonline.com

अथवा

हमसों कहत कौन की बातें?
सुनि उधो। हम समुझत नाहीं फिरि पूछत हैं तातें।।
को नृप भयो कंस किन मारयो को वसुधौ-सुत आहि?
यहाँ हमारे परम मनोहर जीजतु हैं मुख चाहि।।
दिन प्रति जात सहज गोचारन गोप सखा लै संग।
बासरगत रजनी मुख आवत करत नयन गति पंग।।
को व्यापक पूरन अविनासी, को विधि वेद अपार।
सूर वृथा बकवाद करत हौ या ब्रज नन्द कुमार।।

खण्ड-'स'

fuEufdr nh?k mŸkjh; ç'uk d mŸkj 300&350 'kCn lhek e nA

(8x3=24)

प्रश्न 1. 'कबीर की प्रासंगिकता' पर निबंध लिखिए।

अथवा

जायसी की सांस्कृतिक दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2. सूरदास के भ्रमरगीत की अंतर्वस्तु की विवेचना कीजिए।

अथवा

'तुलसीदास की भक्ति-भावना' पर निबंध लिखिए।

प्रश्न 3. सगुण एवं निर्गुण भक्ति के साम्य-वैषम्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भक्तिकाल की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

---x---

Roll No.....................

Total No. of Sections : 03
Total No. of Printed Pages : 04

Code No. : B-103(A)

Annual Examination - 2017

B.A. - I

हिन्दी साहित्य

Paper - I

प्राचीन हिन्दी काव्य

Max.Marks : 75

Time : 3 Hrs. Min.Marks : 25

Vhi % [k.M ^v* e nl vfry?kŸkjh i'u g] ftUg gy djuk vfuok; gA [k.M ^c* e y?kŸkjh ç'u ,o [k.M ^l* e nh?k mŸkjh ç'u gA [k.M ^v* dk lcl igy gy djA

खण्ड-'अ'

fuEufdr vfry?kŸkjh ç'uk d mŸkj ,d ;k nk okD;k e nA

(1x10=10)

प्रश्न 1. ज्ञानमार्गी शाखा के प्रमुख कवि का नाम लिखिए।

प्रश्न 2. उत्तर मध्यकाल का दूसरा नाम क्या है?

प्रश्न 3. 'रामचरितमानस' का दूसरा काण्ड कौन सा है?

प्रश्न 4. 'कीर्तिलता' किसकी रचना है?

प्रश्न 5. वल्लभाचार्य किस मत के संस्थापक आचार्य हैं?

प्रश्न 6. नागमती वियोग खण्ड में प्रस्तुत बारहमासा किस माह से आरंभ हुआ?

प्रश्न 7. रसखान के गुरू कौन थे?

प्रश्न 8. रहीम का प्रिय छंद कौन सा है?

http://www.hyvonline.com

प्रश्न 9. घनानंद द्वारा रचित किसी एक कृति का नाम क्या है?

प्रश्न10. अवधी में रचित किसी एक महाकाव्य का नाम बताइए।

खण्ड-'ब'

fuEukfdr y?k mŸkjh; ç'uk dk mŸkj 150&200 'kCn lhek e nA

(5x5=25)

प्रश्न 1. कबीर की भक्ति-भावना पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

अथवा

विद्यापति के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 2. 'जायसी के काव्य में लोकतत्त्व' विषय पर अपना मत प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

रहीम के दोहों की विशेषताएँ बताइए।

प्रश्न 3. सूरदास की भक्ति-भावना की विशेषताएँ बताइए।

अथवा

रसखान की भाषा-शैली पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 4. तुलसी की सामाजिक दृष्टि पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

अथवा

घनानंद के प्रेम तत्त्व की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 5. सगुण काव्य धारा की विशेषताएँ बताइए।

अथवा

भक्तिकाल के वर्गीकरण का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 6. निम्नांकित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) सब रग तंत रबाब तन, विरह बजावै नित्त। **(8)**
और न कोई सुणि सके, के साँई कै चित्त।।
अंषड़ियाँ झाँई पड़ी, पंथ निहारि-निहारि।
जीभड़ियाँ छाला पडया, राम पुकारि-पुकारि।।
इस तन का दीवा करौं, बाती मेल्हूँ जीव।
लोही सींचौं तेल ज्यूँ, कब मुख देखौं पीव।।

अथवा

फागुन पवन झकोर बहा। चौगुन सीक जाई नहिं सहा।।
तन जस पियर पात भा मोरा। तेहि पर बिरह देई झकझोरा।।
तरिवर झरहिं भरहिं बन ढाखा। भई ओनंत फूल भरि शाखा।
करहिं वनस्पति हिये हूलासू। मो कहँ भा जग दून उदासू।।
फागु करहिं सब चाँचरि जोरी। मोहिं तन लाइ दीन्ह जस होरी।।
जौ पै पीउ जरत अस पावा। जरत-मरत मोहि रोष न आवा।।
राति-दिवस बस यह जिउ मोरे। लगौं निहोर कंत अब तोरे।।

(ख) बरनि राम गुन सीलु सुभाऊ। बोले प्रेम पुलकि मुनिराऊ।। **(8)**
भूप सजेउ अभिषेक समाजू। चाहत देन तुम्हहि जुबराजू।।
राम करहु सब संजम आजू। जौं विधि कुसल निबाहै काजू।।
गुरू सिख देइ राय पहिं गयऊ। राम हृदय अस बिसमउ भयऊ।।
जनमें एक संग सब भाई। भोजन सयन केलि लरिकाई।।
करनबेध उपबीत बिआहा। संग संग सब भए उछाहा।।
विमल बंस यह अनुचित एकू। बंधु बिहाइ बड़ेहि अभिषेकू।।

P.T.O.